स्नातकोत्तर हिंदी विभाग (2)

सत्र - 2023-24.

प्रेमचंद जयंती पर ऑनलाईन संगोष्ठी

दिनांक 31-07-2023 को प्राचार्य डॉ॰ विनोद शर्मा के मार्गदर्शन में प्रेमचंद जयंती का आयोजन अपराह्न 2:00 बजे कक्ष क्र॰ 03 में किया गया। इस आयोजन में वक्ता एवं छात्र-छात्राएँ गूगल मीट के माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम का संचालन सहा॰ प्रा॰ हिंदी श्री राजेश द्विवेदी ने किया। मुख्यवक्ता डॉ॰ (श्रीमती) सुनीता त्यागी ने व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के कथन को उद्धृत करते हुए बतलाया कि जिस लेखक के भाव सुलझे हुए होते हैं, उनकी भाषा अत्यंत सरल और स्पष्ट होती है। प्रेमचंद पर यह बात अक्षरशः लागू होती है।

विभागाध्यक्ष डॉ॰ उमाकांत मिश्र ने प्रेमचंद को स्थापित जनवादी रचनाकार बतलाया। जनता से पूरी तरह सम्बद्ध होने के कारण प्रेमचंद की रचनाओं में सर्वत्र समाजवाद दृष्टिगत होता है। प्रेमचंद के साथ सत्य और इतिहास दोनों रहे हैं।

श्री (डॉ॰) राजेश द्विवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रेमचंद सम्बन्धी अनेक स्मृतियों को उद्घाटित किया। रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार प्राप्त होने पर उन्हें उनसे मिलने के लिए आमंत्रित किया गया था, परंतु श्री जयशंकर प्रसाद के परामर्शानुसार वे अपने स्वाभिमान की रक्षा करते हुए नहीं गये। इस प्रकार कार्यक्रम से जुड़कर छात्र-छात्राओं में भी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में छात्रा मनीषा, शाहील, लीशा आदि ने भरपूर सक्रियता दिखलाई।

[signature] 31/7/2023
राजेश द्विवेदी
सहा॰ प्रा॰

[signature] 31.7.23
विभागाध्यक्ष
डॉ॰ उमाकांत मिश्र
हिन्दी विभाग
शास.राजा.अग्र.स्नातको. महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

[signature]
प्राचार्य